विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **ब्रह्मा बाबा के स्मृति दिवस पर कविता**

संस्कार बड़े ही सुन्दर लेकर वो दुनिया में आया,
उसकी रूहानी छवि देखकर मन सबका हर्षाया

बढ़ती उम्र के संग उसकी आभा भी बढ़ती गई,
प्रति दिन उसकी रूहानी सुन्दरता निखरती गई

श्रेष्ठ कर्म करते रहकर उसने जीवन किया महान
हर किसी को लगने लगा वो चलन से देव समान

रूहानी सुन्दरता का ये राज उससे पूछा ना गया
उसकी छवि को निहारे बिना हमसे रहा ना गया

जान लिया हमने ये है शुद्ध संकल्पों का कमाल
इसीलिए उसने बनाया हर आत्मा को खुशहाल

योगाग्नि से वो बनकर निकला कुन्दन के समान
इसीलिये तो कहलाया अपना ब्रह्मा बाबा महान

बाप होकर भी जिसने किया बच्चों का सम्मान
नहीं था जिसके भीतर अहंकार का नाम निशान

अलौकिक जन्म देकर माँ का पार्ट भी निभाया
छत्र छाया बनकर उसने सबको दिल में बसाया

बच्चों की हर कमी कमजोरी को उसने समाया

श्रीमत देकर उसने हर मुश्किल को पार कराया

एकान्तप्रिय होकर भी बाबा थे सदा मिलनसार
श्रेष्ठ व्यवहार से किया अपकारी पर भी उपकार

किया जिसने निराकारीपन का पक्का अभ्यास
यादों में बसाया था जिसने शिव को श्वासों श्वास

ईश्वरीय मत को जिसने हृदय से किया स्वीकार
निश्चय बुद्धि बनकर पाया विजय माला का हार

रहता था मुख पे सदा बेफिक्र बादशाही का नूर
सम्पूर्णता की मंजिल पाई करके पुरुषार्थ भरपूर

विश्व परिवर्तन का कर्तव्य वो आज भी निभाता
हम सब बच्चों से मिलने अब भी वतन से आता

पुरुषार्थ की गति बढ़ाकर कर्मातीत स्थिति पायें
इस वर्ष अपने आपको ब्रह्मा बाप समान बनायें

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->